India Media Monitor

Amar Ujala

Desh chhor denge par dehat nahi jayenge

Date: 09/08/2013 | Edition: Delhi | Page: 7 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 17 H: 14

Clip: 1 of 1

देश छोड़ देंगे पर देहात नहीं जाएंगे

डॉक्टरों ने किया ऐलान, बैरिकेड-तोड़ने पर पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। पीजी कोर्स में आवेदन करने के पहले ग्रामीण क्षेत्र में सेवा को अनिवार्य बनाने पर रोष व्यक्त करने व अन्य मांगों को लेकर देशभर से आए मेडिकल छात्रों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़कर निर्माण भवन की ओर जाने की कोशिश की।

इस पर पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। मांगों के समर्थन में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के चिकित्सक भी शामिल थे। आईएमए के सचिव डॉक्टर नरेंद्र सैनी और मेडिकल छात्रों का कहना था कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में जाने से कभी मना नहीं करते लेकिन पीजी कोर्स में आवेदन करने के पहले ग्रामीण क्षेत्र में सेवा को अनिवार्य बनाना व्यवहारिक नहीं है। सेव द डॉक्टर अभियान के समन्वयक डॉक्टर नवनीत मुतरेजा ने कहा, 'यदि यही हालात रहे तो चिकित्सक देश छोड़ने को विवश हो जाएंगे।'

वहीं बृहस्पतिवार को छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य सचिव से मुलाकात की। स्वास्थ्य सचिव ने मांगों को मानने का आश्वासन दिया है। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज सह सफदरजंग अस्पताल के छात्र यूनियन के अध्यक्ष डॉक्टर मनीष ने बताया कि स्वास्थ्य सचिव ने कहा है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति का जायजा लेने के लिए टीम भेजी जाएगी और वहां सुरक्षा के इंतजाम का भी जायजा लिया जाएगा। यही नहीं पीजी कोर्स के लिए सीट बढ़ाने का भी आश्वासन दिया है।

अमर उजाला

मेडिकल छात्रों पर दिल्ली पुलिस ने की पानी की बौछार।

इंजीनियरों का धरना

नई दिल्ली (ब्यूरो)। ऑल इंडिया ग्रेजुएट इंजीनियर्स एंड टेलीकॉम ऑफिसर्स एसोसिएशन के बैनर तले धरने पर बैठे इंजीनियरों ने कहा कि जब तक मांग पूरी नहीं होंगी, वे धरने पर बैठे रहेंगे।